भाषा
विकास और साहित्य

प्रस्तुतकर्ता

डॉ. सुमेध नागदेवे असि. प्रोफेसर (हिन्दी)
डॉ. मधुकरराव वासनिक पी.डबल्यु.एस आर्टस् अॅण्ड कॉमर्स
कॉलेज, नागपूर.

आदिमानव से मनुष्य

- शोध करने की जिज्ञासा
- जिज्ञासा के कारण आदिमानव का मानव रूपांतर
- सांकेतिक, निशान, चित्रात्मक, शब्द
- ध्वनि तथा विचारों से भाषा का निर्माण और विकास

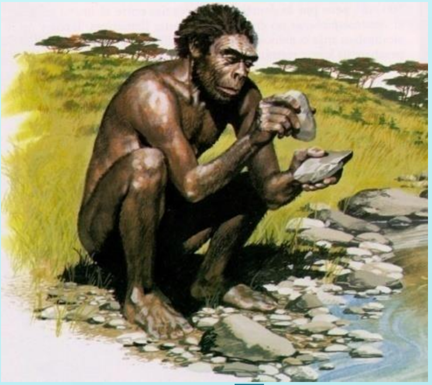

भाषा की क्षमता

ग्रहणात्मक

श्रवण

वाचन

प्रस्तुतिकरणात्मक

भाषण

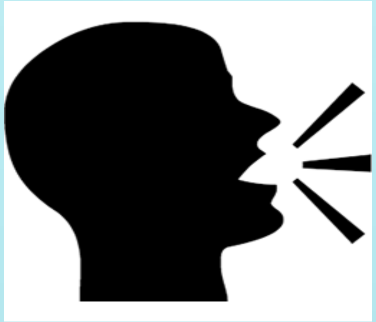

लेखन

भाषा का जन्म

द्रविड भाषा

मल्यालम,तामिल
कन्नड,इ.
(दक्षिण क्षेत्र की भाषा)

प्राकृत भाषा

महाराष्टी,पालि,
अपभ्रंश "शौरसैनी,
मागधी, पैशाची,
अर्द्धमागधी, खस,
ब्राचड" इ.

संस्कृत भाषा

जिस भाषा में
वेद,पुराण रचे गए
एसी भाषा, जो
बाद में देव भाषा
बनी।

अपभ्रंश

पूर्वी हिन्दी

अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी

पश्चिमी हिन्दी

ब्रज, खड़ीबोली, बुंदेली, कन्नौजी, बॉगरु

हिंदी साहित्य इतिहास का कालक्रम

- आदिकाल (1050—1375)
- भक्तिकाल (1375—1700)
- रीतिकाल (1700—1900)
- आधुनिककाल (1900—आजतक)

पृष्ठभूमि

राजनीतिक– पालवंशी,गुर्जर,राष्ट्रकूट–गुलामवंश, तुगलक वंश, लोदी वंश, यवन

सामाजिक– वर्णव्यवस्था,सामंतवादी व्यवस्था, नारी को स्थान, लोकमंगल का भाव उपेक्षित

धार्मिक– बौद्ध धर्म,जैन धर्म, पौराणिक हिन्दू

साहित्यिक – राज्याश्रित, लोकाश्रित, धनाश्रित

आदिकाल का साहित्य

- सिद्ध साहित्य
- नाथ साहित्य
- जैन तथा रासो साहित्य

कालविभाजन एवं नामकरण

- ❖वीरगाथा काल —रामचंद्र शुक्ल —संवत् 1050 से 1375
- ❖सिद्ध—सामंत—युग —राहुल सांकृत्यायन — 760 ई. से 1300 ई.
- ❖चारण काल —ग्रियर्सन —
- ❖संधि—चारणकाल —रामकुमार वर्मा — 750 से 1000, 1000से 1375
- ❖अपभ्रंश काल —धीरेंद्र वर्मा, चंद्रधर शर्मा गुलेरी—
- ❖प्रारंभिक आरंभिक काल—मिश्र बंधु, मोतिलाल मेनारिया —सं. 700 से 1444
- ❖वीरकाल —विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- ❖आदिकाल — हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ. रसाल, डॉ. नगेंद्र — 10 से 14 वी
- ❖आदियुग, वीरगाथा युग — डॉ. श्यामसुंदर दास — सं. 1050 से 1400
- ❖डॉ. रामप्रसाद मिश्र — संक्रातिकाल — सन 800 से 1400 ई.
- ❖लोकोन्मुखी साहित्य का युग — सत्यकाम वर्मा — प्रारंभ से 1400 ई.
- ❖ प्रारंभिक काल या उन्मेषकाल — डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त — 1184 से 1350 ई.
- ❖संक्रमण काल — डॉ. रामखेलावन पाण्डेय — सन् 1000 से 1400 ई.

आदिकाल की विशेषताएँ

- संकुचित राष्ट्रीय भावना
- वीर तथा श्रृंगार रस से भरी रचनाएँ
- एतिहासिकता का अभाव
- युद्ध का सजीव वर्णन
- अतिशयोक्तिपूर्ण वर्णन
- लोकजीवन की अवहेलना
- भाषा के विविध प्रयोग

आदिकाल के प्रमुख कवि

- चंदबरदायी – पृथ्वीराज रासो
- अमीर खुसरो– गजल, पहेलियाँ
- विद्यापति–कीर्तिलता, पदावली
- सरहपा– दोहाकोश, चर्यागीति कोश
- गोरखनाथ–गोरखवाणी
- स्वयंभू–पउमचरिउ
- पुष्पदंत– महापुराण

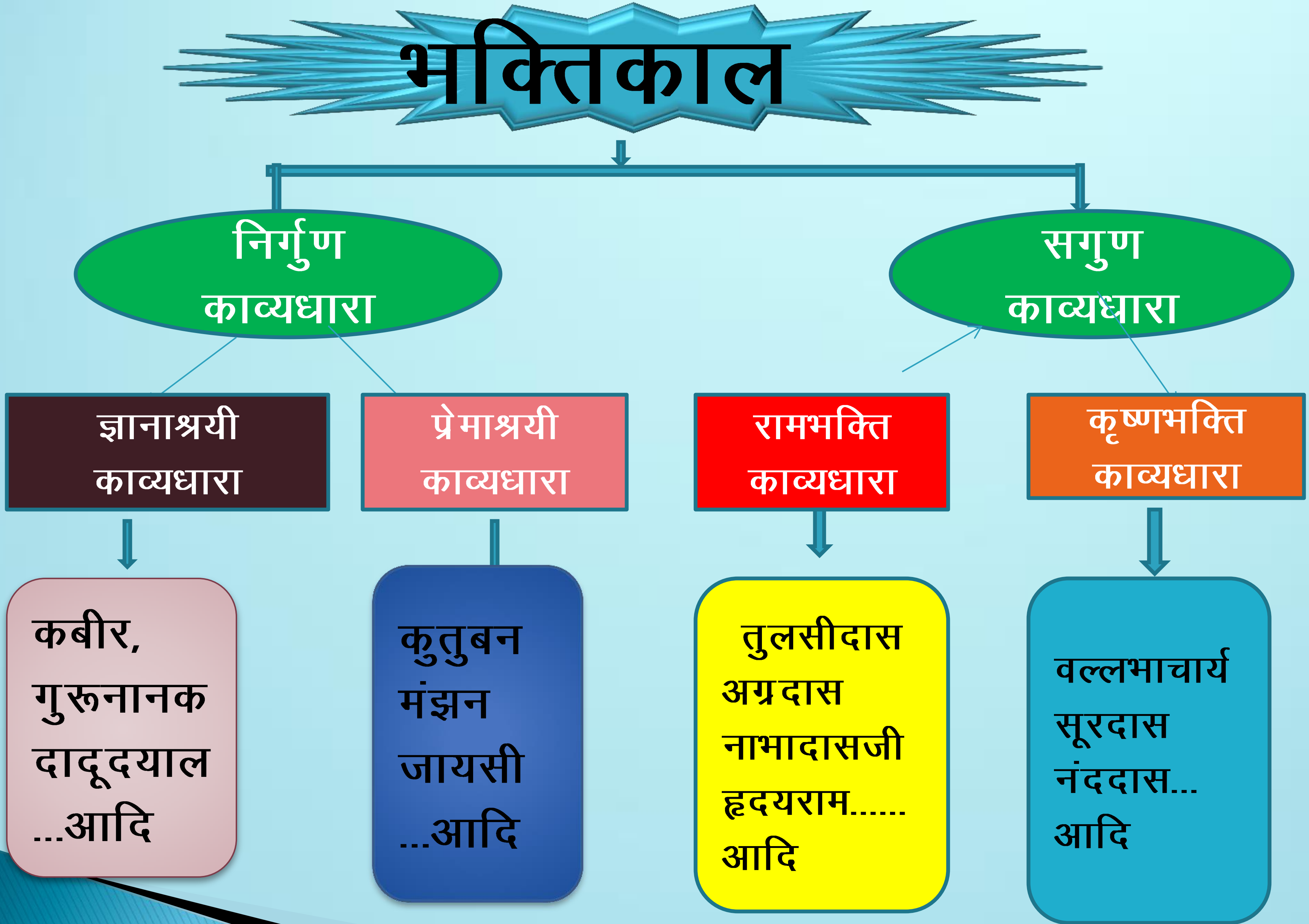
भक्तिकाल
निर्गुण काव्यधारा
सगुण काव्यधारा
ज्ञानाश्रयी काव्यधारा
प्रेमाश्रयी काव्यधारा
रामभक्ति काव्यधारा
कृष्णभक्ति काव्यधारा
कबीर, गुरूनानक दादूदयाल ...आदि
कुतुबन मंझन जायसी ...आदि
तुलसीदास अग्रदास नाभादासजी हृदयराम...... आदि
वल्लभाचार्य सूरदास नंददास... आदि

धन्यवाद..........!!!